दैनिक भास्कर, भोपाल 21-12-2007

ऑथर्स गिल्ड ऑफ इंडिया ने किया

लेखकों का सम्मान

सिटी रिपोर्टर.भोपाल

ऑथर्स गिल्ड ऑफ इंडिया (भारतीय लेखकों की एकमात्र संस्था) के चौतीसवें वार्षिक समारोह का उद्घाटन शुक्रवार को रवीन्द्र भवन में हुआ। इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि मौजूद महामहिम डॉ. बलराम जाखड़ ने 'विदेशों में फैलता भारतीय साहित्य एवं विकास के लिए नये आयाम' विषय पर बोलते हुए कहा कि 'ज्ञान व साहित्य में हम सबसे आगे हैं।

साहित्य से मुझे बेहद प्रेम है, इसी को पढ़ते-पढ़ते मैं बड़ा हुआ हूं'। साथ ही डॉ. जाखड़ ने कहा कि साहित्य में हमारे पास जो धरोहर है, वह किसी और के पास नहीं है। उन्होंने कहा कि संस्थान के अध्यक्ष डॉ. बिंदेश्वर पाठक साहित्य के लिए जो काम कर रहे हैं वह गागर में सागर भरने की तरह सराहनीय है। इसके बाद संस्थान के सैकेट्री जनरल डॉ. राजेन्द्र अवस्थी ने कहा कि उनकी संस्था में करीब 2000 सदस्य मौजूद हैं, जिसमें भारत की सभी भाषाओं तमिल, तेलगु, कन्नड़ से लेकर गुजराती, बांग्ला, केरल और हिंदी के लेखक शामिल हैं। जो स्थापित होने के साथ ही लोकप्रिय व प्रसिद्ध हैं। इस मौके पर संस्था के अध्यक्ष डॉ. बिंदेश्वर पाठक ने कहा कि संसार को एक विश्वग्राम बनाने और मानव जाति को एक-दूसरे से स्वाभाविक और संवेदनात्मक धरातल पर जोड़ने का एकमात्र आधार साहित्य ही है। इस मौके पर लेखकों की पुस्तकों का विमोचन भी हुआ और लेखकों को उनकी कृतियों के लिए नगद पुरस्कार राशि दी गई।

साहित्य सर्वोदय अवार्ड

15,000 से हुए पुरस्कृत

पिघलती शिला- वीणा विज (लुधियाना)
शब्द बोलते हैं- सविता चड्ढा (दिल्ली)
कालचक्र- बालशौरी रेड्डी (मद्रास)

10,000 से हुए पुरस्कृत

माटी दोनों हाथ- भगवानदास ऐजवान (दिल्ली) विद्रोही- जीजे हरजीत (बैंगलोर)
कैम्पस डेज- शोरनूर कार्तिकेयन (त्रिवेन्द्रम)